2018-2019

PASS (Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan)ANNUAL REPORT

वार्षिक प्रगति विवरण

पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान
पुलिस लाईन रोड, कुमौड, पिथौरागढ़
262501 (उत्तराखण्ड, भारत)

Introduction

Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan (PASS) was established in November 1997 with a firm resolution to work for the development of the rural community through organizing community centered activities. The objective of the organization is to work for the conservation and promotion of the environment to bring systematic social change in the community. The current operational areas of the organization are States Pithoragarh, Champawat, Almora and Bageshwar. Other than the above, the organization is putting efforts to gradually develop its operational areas. PASS is working in coordination with the government on various issues relating to the development and betterment of the community through conducting seminars, workshops, conferences, and meetings to help bring the social concerns into light.

After the registration of the organization and obtaining financial help of various government and nongovernmental organizations, and completing all the necessary formalities an administrative structure came into being. After which various programs started for the community.

परिचय

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, ग्रामीण समुदाय के विकास और जन केंद्रित नियोजन की विविध गतिविधियों के माध्यम से व्यववस्थागत परिवर्तन/समाज परिवर्तन के मूल उद्देश्य को समाहित करते हुए एक दृढ़ निश्चय के साथ ''पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान'' की स्थापना नवम्बर 1997 में की गयी। वर्तमान में संस्था के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़, जनपद चम्पावत, जनपद अल्मोड़ा तथा जनपद बागेश्वर सम्मिलित हैं। उक्त के अतिरिक्त संस्था अपने कार्यक्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु प्रयासरत् है। वर्तमान तक विकास और समाज परिवर्तन से जुड़े विविध मुद्दों पर सरकार के साथ सहभागिता की, तथा अनेकानेक सेमिनारों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, सभाओं आदि के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को आगे लाने का प्रयास किया गया है।

संस्था के पंजीकरण के उपरान्त विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी वित्तीय संगठनों से आवश्यकतानुसार वित्तीय सहयोग लेने के उपरान्त आवश्यक औपचारिकताएं तथा आवश्यक प्रशासनिक ढांचा भी संस्था में बनता चला गया और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी संचालित होने लगे।

Objectives of the organization

1. To conduct activities to improve the productivity of barren land, fallow land, etc. as well as to conserve the environment.
2. To develop the community and spread awareness among the community regarding education, environment, health, children's education as well as unconventional education.
3. To organize the community for people centered planning and development. To develop a model for development by providing training to the community.
4. To organize awareness program on women empowerment, education, and training.
5. To conduct programs and to motivate and educate the community on watershed management, resource management, drinking water supply, irrigation, alternative energy, animal welfare, agricultural development, and agribusiness
6. To publish, edit, compile, and distribute literature for the promotion of programs related to education, cultural development as well as the development of the community.
7. To conduct income generating programs and to train rural and women groups on the same. To manage marketing for them.
8. To develop economic measures for the infrastructural development of the organization, to conduct programs on self reliance and to conduct awareness generating programs.
9. To conduct programs for the development of the environment, tourism and culture.
10. To work on issues and concerns related to the community, and individual health.

संस्था के उद्देश्य

1. ऊसर भूमि, परती भूमि आदि का सुधार कर उत्पादकता बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों का संचालन करना।
2. समुदाय संगठन, समुदाय विकास एवं शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, बाल शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा एवं जन जागरण।
3. जन केन्द्रित नियोजन एवं विकास के लिये समुदाय को संगठित करना, प्रशिक्षित करना एवं विकास का प्रदर्शन माडल विकसित करना।
4. महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रशिक्षण, संगठन एवं जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन करना।
5. जलागम प्रबन्धन, संसाधन प्रबन्धन, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा, पशु कल्याण, कृषि विकास, बागवानी विकास एवं कृषि व्यापार के कार्यक्रमों का संचालन करना एवं समुदाय को इसकी शिक्षा व प्रेरणा देना।
6. शिक्षा, संस्कृति विकास एवं समुदाय विकास के कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार हेतु संबंधित साहित्य का प्रकाशन, सम्पादन, संकलन कर उसे वितरित करना।
7. ग्रामीण संगठनों, महिला संगठनों आदि के लिये आयवर्धन कार्यक्रमों का संचालन करना इसके लिये प्रशिक्षण देना तथा विपणन आदि का प्रबन्धन करना।
8. संस्था के ढांचागत विकास हेतु आर्थिक उपाय करना, आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम संचालन करना तथा जागरूकता के कार्यक्रम संचालित करना।
9. पर्यावरण, पर्यटन व संस्कृति के विकास हेतु कार्यक्रमों का संचालन करना।
10. सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं मुद्दों पर कार्य करना।

Financial Statement Year 2018-19

(वित्तीय विवरण वर्ष : 2018–19)

1. Balance Sheet –

Sl.No.	Liabilities	2017-18	Assets	2017-18
1	Over Expenditure	506436.35	Fixed Assets	164501.00
2	Unsecured Loan	12771.00	Current Assets	29846.00
3			Cash and bank balance	324860.35
	Total	**519207.35**		**519207.35**

2. Income & Expenditure –

Sl.No.	Income	Amount	Expenditure	Amount
1	By Grant-in-Aid	19168008.00	Society Main	90694.00
2	By Bank Interest	109975.00	USACS (TI Project)	2188378.00
3	By Membership fee	1750.00	Equine Welfare Program	3187883.84
4	By Donation Receipts	116900.00	Hans Jaldhara_Garur & Kapkote Project	1151280.32
5	By Intrest on IT Refund	1852.00	Hans Jaldhara Bageshwar_DPR Project	16009779.00
6	By Excess of Expenditure	3270532.96	Family Counselling Center	
			To Deprecition Charges	41002.00
			To Excess of Income Over Expenditure	
	Total	**22669017.96**		**22669017.96**

Banking Detail		
(i) A/C No. 32830100000101 Bank of Baroda Pithoragarh(NGO main account)		(ii) A/C No. 689510110000405 Bank of India Pithoragarh(Account for FCRA)
(iii) A/C No. 32830100000383 Bank of Baroda Pithoragarh(Account for TI Programe)		(iv) A/C No. 30391848428 SBI - Pithoragarh (Account for FCC)
Organisation Registration Detail	:	Registration No. 557/1997-98 (Under Society Reg. Act 1860) Dated – 25/09/1997
FCRA Detail	:	Registration No. 347990024 Dated – 01 April 2004
Income Permanent Account No. (PAN)	:	AAA7P7999K
Tax Deduction Account No. (TAN)	:	MRTP03413E
12AA Registration of Income Tax	:	CIT/Hld/12AA/22/2003-04/PAVS/03-04/1780, Dated:14/01/2004
80G Registration of Income Tax	:	CIT (E) /LKO/80G/2016-17/109/1859/7522, Dated: 08/11/2016

Name & Address of Auditor – Mr. M.C. Pandey
M.C. Pandey & Company
Narayan Niwas, Cinema Line
Pithoragarh (Uttarakhand)

Major programs and achievements in year 2018-19

The following programs/projects were conducted by the organization in year 2018-19

1. Targeted Intervention Program by USACS & NACO
2. Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animal -India
3. Hans Jaldhara Project by The Hans Foundation
4. Family Counseling Center by Central Social Welfare Board
5. Solid and Liquid waste management program

The organization is putting efforts for spreading awareness as well as improving the opportunities of employment for the community through the above mentioned programs. Brief description of the programs conducted by the organization during the year is given below-

वर्ष 2018–19 के मुख्य कार्य एवं उपलब्धियां

वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रम/परियोजनाएं संचालित किये गये –

1. लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एचआईवी/एड्स)।
2. अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम ।
3. हंस जलधारा परियोजना।
4. परिवार परामर्श केन्द्र ।
5. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम ।

उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था द्वारा लोगों में जागरूकता के प्रसार के साथ–साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के प्रयास किये। वर्ष के दौरान संस्था द्वारा किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

Targeted Intervention Program by USACS & NACO

The Targeted Intervention Program funded by Uttarakhand State AIDS Control Society (USACS) and National AIDS Control Society (NACO) was conducted for the Labor Migrants on generating awareness on HIV/AIDS in Pithoragarh in the month of January 2010. The objective of the program is to disseminate information and prevention of HIV/AIDS, TB and Sexually Transmitted Diseases. The organization is currently working with 10000 migrants under The Targeted Intervention Program. 12 to 15 S.T.I health camps are being conducted each month in different places. Free testing and medicines are provided under the supervision of doctors during these health camps.

Nukkad natak is conducted each month at pre determined places in which actors and the program staff disseminates information in an entertaining way on HIV/AIDS, STI, TB, and other diseases. Advocacy with key stake holder meetings are conducted each month with the administration and other stake holders on the frame work and to discuss the issues concerning the migrants.

लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एच.आई.वी./एड्स)

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा प्रायोजित लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत मजदूर प्रवासियों के मध्य एचआईवी/एड्स की जागरूकता हेतु पिथौरागढ़ शहर में कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा माह जनवरी 2010 से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रवास पर आये प्रवासियों को एचआईवी/एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित रोगों की जानकारी व रोकथाम के बारे में जागरूक करना है। संस्था द्वारा वर्तमान में 10000 प्रवासियों के मध्य लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह 12 से 15 एस.टी.आइ. स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जाता है, जिसमें प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा प्रवासियों की निःशुल्क जाँच कर औषधि वितरण की जाती है।

कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह नुक्कड़ नाटकों का आयोजन निर्धारित स्थलों पर किया जाता है, जिसमें नाट्य कलाकारों एवं कार्यक्रम स्टाफ द्वारा एचआईवी/एड्स, यौन जनित संक्रमण, टी.बी. एवं अन्य सामान्य विमारियों के बारे में रोचकपूर्ण तरीके से जानकारी प्रदान की जाती है। प्रशासन व अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने व प्रवाशियों के मुद्दों पर चर्चा के लिये संस्था द्वारा प्रत्येक माह जन वकालत (।कअवबंबल ूपजी ज्ञमल ैजांम भ्वसकमते) बैठकों का आयोजन भी किया जाता है।

संस्था द्वारा लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2018–2019 में किये गये कार्य
Activities done under Targeted Intervention program in year 2018-19

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या
1	आयोजित स्वास्थ्य शिविरों की संख्या (number of STI Health Camps organized)	140
2	स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित प्रवाशियों की संख्या Number of migrants present at the health camps	5484
3	जन वकालत एवं समन्वय बैठक Number of Advocacy & Coordination Meetings held)	12
4	नुक्कड़ नाटक (Number of street Play/Nukked Natak)	12
5	जनसमूह समारोह (Number of Target Grup Congregation Events held)	08
6	आइ.सी.टी.सी. एवं सी.वी.टी. में एच.आइ.वी. जाँच (Number of HIV tests done at ICTC and CVT)	2578
7	स्टेक होल्र्डस बैठक (Number of Stake Holders Meetings conducted)	140

कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी पिथौरागढ एवं अन्य कार्यरत सहयोगी संस्था के साथ आयोजित समन्वय बैठक

Coordination meeting with the CMO, Pithoragarh and other sister organizaiton under the program

पीयर लीडर प्रशिक्षण कार्यशाला

Peer leader workshop

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का प्रचार–प्रसार

Awareness generation activity through Nukkad Natak

Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animals -India

The organization is running the Equine Welfare Program funded by **Brooke Hospital for Animals** since April 2012 at Bageshwar. The program is being implemented in three blocks Bageshwar, Kapkot and Garun for the welfare of equine animals (mule, donkey, horses). The program is being implemented with the help of 10 staff members. A total of 1198 owners of these animals have been given services for their 5006 for local and migrant equine animals in the year 2018-19. The owners of the animals have ample opportunity of work as the area is hilly and has heterogeneous geographical environment due to which these animals are known to be a good source of income generation. Reema and Kanda areas in Bageshwar are known for its creta excavation which takes place for 8 months each year. These animals are used to carry excavated creta from the excavation ground to the road. The organization is provided support from the Animal Husbandry Department regarding their treatment. The veterinarians and the livestock extension officers in the State are always in support for the program from time to time.

Equine Welfare Program's Vision

To eradicate the pain of these working equine animals

अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम

संस्था द्वारा **ब्रुक हॉस्पिटल फॉर एनीमल (इंडिया)** के सहयोग से माह अप्रैल 2012 से जनपद बागेश्वर में अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जनपद के तीनों विकास खण्ड क्रमशः बागेश्वर, कपकोट एवं गरूड़ में अश्व प्रजाति के पशुओं (घोड़ा, खच्चर, गधा) के कल्याण के लिए किया जा रहा है । कार्यक्रम के संचालन हेतु संस्था के पास 10 कार्यकर्ताओं का स्टाफ है। वर्ष 2018–19 में जनपद के तीनों विकास खण्ड में संस्था द्वारा 1198 पशुमालिकों के कुल 5006 अश्व प्रजाति के पशुओं (स्थानीय एवं प्रवाशी) को कार्यक्रम के तहत सेवा प्रदान की गयी। पहाड़ी क्षेत्र एवं विषम भौगोलिक परिवेश होने के कारण जनपद में पशुमालिकों को कार्य की कमी नहीं रहती है जिस कारण आमदनी का एक अच्छा साधन यह पशु माना जाता है। विकास खण्ड बागेश्वर के रीमा व काण्डा क्षेत्र में खडिया खदान होने के कारण वर्ष में लगभग 8 माह खडिया ढोने का कार्य (खदान स्थल से मोटर मार्ग तक) भी इस पशु से किया जाता है। संस्था द्वारा जनपद बागेश्वर में स्थित पशुपालन विभाग से भी कार्यक्रम के तहत अश्व उपचार हेतु सहयोग लिया जाता रहता है, जिसके लिए जनपद में कार्यरत सभी पशुचिकित्साधिकारी एवं पशुधन प्रसार अधिकारियों द्वारा समय–समय पर सहयोग दिया जाता रहता है।

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य विजन

काम करने वाले अश्वप्रजाति के पशुओं का दुखः दर्द दूर करना।

Equine Welfare Program's main objectives

Following are the 5 main objectives of the program

- Relieving equine animals from hunger and thirst
- Releasing equine animals from uncomfortable circumstances
- Relieving equine animals from pain, wound and disease
- To provide equine animals freedom to exhibit their normal behavior
- To help equine animals get rid of fear and stress

Activities conducted under the Equine Welfare Program by the organization

- Collecting baseline data from animals and their owners.
- Collecting information relating to the village through PRA and other activities
- Identifying equine friends and L.H.P
- Informing equine animal owners about the diseases, their symptoms and prevention
- Providing first aid and emergency treatment to the animals
- Proving the owners with first aid kits and train them in providing proper first aid
- Creating Equine Welfare Groups (EWG) and to inspire them towards activities done for equine animal's welfare
- Motivate EWG to work in coordination for the welfare of equine animals
- Training equine animal owner's on proper and quality shoeing of equine animals
- Disseminating information to equine animal friends on first aid, symptoms of diseases and its prevention

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य 5 उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

- अश्व प्रजाति के पशुओं को भूख एवं प्यास से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को असुविधाजनक स्थिति से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को दर्द, जख्म, एवं बीमारी से मुक्ति दिलाना।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को सामान्य व्यवहार प्रदर्शित करने की आजादी।
- अश्व प्रजाति के पशुओं को भय व तनाव से मुक्ति दिलाना।

अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत किये जा रहे कार्य

- पशु व पशु मालिकों का बेस लाइन डाटा एकत्रीकरण।
- पी.आर.ए. व अन्य गतिविधियों के द्वारा गाँव से सम्बन्धित जानकारी एकत्र करना।
- अश्व मित्रों एवं एल.एच.पी. का चयन।
- पशु मालिकों को अश्वप्रजाति में होने वाली बीमारियों के कारण, लक्षण व बचाव की जानकारी देना।
- पशुओं को प्राथमिक उपचार व इमरजैन्सी उपचार देना।
- पशु मालिकों को प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराना एवं उन्हें प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देना।
- पशु मालिकों का अश्व कल्याण समूह (EWG) बनाना तथा समूह को अश्व कल्याण की गतिविधियों हेतु प्रेरित करना।
- अश्व कल्याण समूह को सामूहिक प्रयास हेतु प्रेरित करना।
- पशु मालिकों को अच्छी व गुणवत्तायुक्त नालबन्दी का प्रशिक्षण देना।
- अश्व मित्रों को अश्व प्रजाति के प्राथमिक उपचार, रखरखाव व बीमारियों के लक्षण व उन से बचाव की जानकारी देना।

संस्था द्वारा अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2018–19 में किये गये कार्य

Activities done under Equine Welfare Program in year 2018-19

क्र.सं. S.No	गतिविधि का नाम Name of activities	संख्या Number
1	पशुओं को दी गयी आकस्मिक चिकित्सा सुविधा (Emergency health services given to animals)	406
2	एल.इ.ओ. प्रशिक्षण (Livestock Extension Officer Training)	07
3	अश्वमित्र प्रशिक्षण (Trainings for equine friends)	72
4	पशु टीकाकरण (Number of TT Vaccination administered)	4115
5	पशुधन बीमा योजना के तहत बीमित पशु (Number of insured animals under pashudhan insurance scheme)	658
6	बच्चों की प्रतियोगिता (Number of children's competition held)	08
7	स्वस्थ्य अश्व प्रतियोगिता (Number healthy equine animal competitions held)	12
8	जनपदीय अश्वमित्र समारोह (Number of State equine friend's celebration)	01
9	प्राथमिक चिकित्सा किट (Number of first aid kits distributed)	99
10	पी.डब्लू.एन.ए. (Participatory Welfare Need Assessment done)	220
11	समिति बैठक (Number of committee meetings held)	16
12	पशुपालन विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर (Health camps organized with support of animal husbandry department)	36
13	नालबन्दी प्रशिक्षिण शिविर (Farriery Training Camps)	24

Hans Jaldhara Project Funded by The Hans Foundation :

Drinking water scheme has been established by the organization with the support of The Hans Foundation in October 2016 at Garur and Kapkot at Bageshwar in the identified villages in cooperation with the community. The program is running with an agreement with the users to invest 10% of the expense and 90% will be provided from the Hans Foundation.

Each family was provided with their private water connection for them to be able to get ample amount of water for their use.

The program in being implemented in The identified villages by the users by creating a plan and implementing it skillfully. The user's committee and the hygiene subcommittee established under the program evaluate and monitor it with the support of the organization from time to time. The efforts of the organization combined with the community resulted in the program getting inaugurated by the honorable Chief Minister of the State in the month of January 2019

हंस जलधारा परियोजना :

संस्था द्वारा द् हंस फाउन्डेशन नई दिल्ली के सहयोग से माह अक्टूबर 2016 से जनपद बागेश्वर के विकास खण्ड गरूड़ एवं कपकोट की चयनित ग्राम पंचायतों में हंस जलधारा परियोजना का संचालन जनसहभागिता (परियोजना लागत की 10 प्रतिशत धनराशि उपभोक्ताओं के माध्यम से एवं 90 प्रतिशत धनराशि द् हंस फाउन्डेशन के द्वारा वहन की गयी) के आधार पर करते हुए पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। परियोजना के तहत प्रत्येक परिवार को पेयजल हेतु निजी संयोजन दिये गये हैं ताकि सभी उपभोक्ताओं को प्रचुर मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो सके।

परियोजना के तहत क्रियान्वयन चरण अर्न्तगत संबन्धित गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा स्वयं कार्य कर योजना निर्माण कार्य कुशलता के साथ संपादित किया गया और गठित उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उपसमितियों द्वारा समय–समय पर परियोजना का अनुश्रवण व मूल्यांकन कार्य कर संस्था को सहयोग प्रदान किया गया। परिणाम स्वरूप माह जनवरी 2019 में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा विकास खण्ड गरूड़ के ग्राम पंचायत पुरड़ा में परियोजना के तहत निर्मित पेयजल योजना का उद्घाटन किया गया।

परियोजना के तहत आच्छादित ग्राम पंचायतों एवं निर्मित संरचनाओं का विवरण

Details of the constructions done under the project covered under Gram Panchayats

विकास खण्ड (Block)	ग्राम पंचायत (Gram Panchayat)	आच्छादित ग्राम (Villages covered)	लाभान्वित परिवार (Beneficiary families)	लाभान्वित उपभोक्ता (Individual Beneficiaries)	निर्मित जल संग्रहण टैंक / क्षमता (Capacity of constructed tank)	निर्मित स्टैण्ड पोस्ट (Constructed stand posts)	परियोजना लागत (रू0) (Project expenditure)
गरूड़	पुरड़ा	पुरड़ा पार	64	314	1@35 KL	64	13166196.00
		पुरड़ा वार	99	472		99	
		पुरड़ा तल्ला	32	158	1@17.5 KL	32	
		रामपुर तल्ला	17	87	1@15 KL	17	
	चौरसों	गुमची	24	130	1@7.5 KL	24	1348708.00
	मटेगूँठ	मटेगूँठ	20	120	1@7.5 KL	20	1410694.00
		दिरणी तल्ला	06	32		06	
कपकोट	कीमू	कुकुड़मायाधार	15	101	1@7.5 KL	17	1969127.00
	दियाली	दियाली	34	180	1@12.5 KL	35	1949677.00
	बाछम	जैकुनी	31	172	1@12.5 KL	31	3400336.00
		ओखलिया	13	61	1@3 KL	13	2409428.00
		तल्लागाँव	20	145	1@10 KL	20	2440839.00
योग	06	12	375	1972	10@128 KL	378	28095005.00

All constructions done under the drinking water scheme have been transferred to the Gram Panchayats in the month of February and March 2019.

परियोजना के तहत निर्मित सभी पेयजल योजनाओं को माह फरवरी एवं मार्च 2019 में ग्राम पंचायतों को निहित प्रावधानों के तहत हस्तान्तरित कर दिया गया है।

Family Counseling Center by Central Social Welfare Board :

A family counseling center has been established at headquarters Tehsil Headquarter with support from Central Social Welfare Board, New Delhi, (Woman and Child Development Ministry, Government of India) in Bageshwar. The main objective of the center is to solve family issues between couples, and to help them learn to live cordially with each other. To help women, children and adolescents find justice related to harassment, and to make police services available for them. To help eradicate social evils like alcoholism, smoking, gambling etc to save families from breaking up. To make health services, education, education on family behavior easily accessible for women and children and to organize women conference and awareness camps to help control population.

परिवार परामर्श केन्द्र का संचालन :

संस्था द्वारा केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड नई दिल्ली (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार) के सहयोग से जनपद बागेश्वर के लिये स्वीकृत परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना काण्डा तहसील मुख्यालय में की गयी है। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक मतभेदों तथा पति/पत्नि के आपसी झगड़ों, मनमुटावों को सुलझाना व परिवार में सौहार्दपूर्ण जिन्दगी जीने के लिए उचित मार्गदर्शन करना, महिलाओं/किशोरियों/बालिकाओं को उत्पीड़न के मामलों में न्याय दिलाना तथा पुलिस सहायता प्रदान करना, सामाजिक बुराइयों जैसे मादक द्रव्य सेवन, मद्यपान, जुआ आदि के परिणाम स्वरूप टूटते परिवारों को बचाना व बुरी लतों से छुड़ाना एवं महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए शिक्षा, सेवा, पारिवारिक व्यवहारिक शिक्षण सुलभ करना तथा जनसंख्या नियंत्रण आदि के लिए मोहल्ला गोष्ठी व जागरूकता शिविरों का आयोजन कर उन्हें जागरूक करना है।

संस्था द्वारा परिवार परामर्श केन्द्र कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018–2019 में (जुलाई 2018 तक) किये गये कार्यActivities done by the organization under the Family Counseling Program in year 2018-19 (till July 2018)

क्र.सं. S.No	गतिविधि का नाम Activity name	संख्या Number
1	कार्यक्रम के संचालनार्थ गठित उप–समिति की बैठक Subcommittee meetings held for proper implementation of the program	01
2	केन्द्र में पंजीकृत मामलों की संख्या(Registered cases at the center)	25
3	वर्ष में समासोधित मामलों की संख्या (settled cases in a year)	43 (18 लंबित एवं 25 नये)
4	वर्ष में आयोजित मोहल्ला गोष्ठियों की संख्या (Colony conferences held in a year)	16

Solid Liquid & Waste Management (SLWM) Programme :

The organization is implementing Solid Liquid & Waste Management (SLWM) Program in support with the District Project Management Unit (Swajal) in Gram Panchayats of Garun and 2 Gram Panchayats of Thos in Bageshwar. A Village Health and Sanitation Committee has been formed in each Gram Panchayat under the supervision of the Gram Pradhan. Following activities under the project are being implemented under the supervision of these committees.

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम :

संस्था द्वारा जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई (स्वजल) के सहयोग से माह सितम्बर 2018 से जनपद बागेश्वर के विकास खण्ड बागेश्वर की 8 एवं गरूड़ की 2 ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन कार्यक्रम (SLWM) का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है और इन्हीं समितियों के माध्यम से कार्यक्रम के तहत निर्धारित कार्यों का संपादन किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नानुसार है

विकास खण्ड (Blocks)	ग्राम पंचायत का नाम (Name of Gram Panchayat)	कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित कार्य (Activities proposed under the program)						
		सामुदायिक स्तर पर नाली (CC) निर्माण (मी0) (Drain construction with support of the community)	सामुदायिक स्तर पर सोक्ता गढ्ढा का निर्माण (Construction of soak pit with support of community)	सामुदायिक स्तर पर जैविक–अजैविक कचरे हेतु कूड़ेदान (Organic-inorganic bin at community level)	व्यक्तिगत स्तर पर सोक्ता गढ्ढा का निर्माण (Soak pit constructed at individual level)	व्यक्तिगत स्तर पर जैविक–अजैविक कचरे हेतु कूड़ेदान (Organic-inorganic bin at individual level)	कचरा पृथकीकरण केन्द्र (Garbage separation center)	वर्मी खाद गढ्ढे (Varmicompost pits)
बागेश्वर	नारायणगॅूठ	428	--	--	13	113	05	14
	बांजझिरौटी	426	--	--	10	--	02	27
	बनेगाँव	--	02	02	01	102	05	55
	भण्डारीगाँव	235	--	--	10	--	03	42
	किमोली	149	--	--	10	80	05	39
	काण्डे	438	--	--	09	--	06	12
	नौगाँव 2	282	--	--	11	--	05	27
	नाघरमाजिला	360	--	--	26	--	03	77
गरूड़	पंया	588	--	02	19	--	01	55
	देवनाई	364	--	--	10	02	01	80

कार्यक्रम के तहत गठित "ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों" को जानकारी प्रदान करते विषय विशेषज्ञ
Subject experts giving information to "Village Health & Sanitation Committee